हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 155 देहरादून, बृहस्पतिवार, 08 दिसंबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

'सशस्त्र सेना झंडा दिवस' पर सीएम धामी ने की ये अपील

3

उच्च शिक्षा चिंतन शिविर के मंथन से ज्ञानरूपी अमृत निकलेगा : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 7 दिसंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उच्च शिक्षा चिंतन शिविर के अंतर्गत राज्य स्तरीय नैक प्रत्यायन कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने उच्च शिक्षा संस्थानों पर आधारित 'उत्तराखंड राज्य के नैक प्रत्यायन की क्वालिटी फैक्ट रिपोर्ट', 'अनुशंसा रिपोर्ट', एवं 'इनोवेशन इन हायर एजुकेशन पुस्तक' का विमोचन किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा उत्तराखंड राज्य में उच्च शिक्षा संस्थानों के आधुनिकरण, उद्यमिता और कौशल विकास के क्षेत्र में देश के प्रतिष्ठित संस्थान ''भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद'' के साथ उद्यमिता संवर्धन हेतु एमओयू हस्ताक्षरित किया गया। साथ ही छात्रों को वर्चुअल लैब की सुविधा प्रदान करने हेतु अमृता विश्वविद्यापीठम् केरल तथा कम्प्यूटर दक्षता और आई0टी0 विशेषज्ञता के लिए एडूनेट आईबीएम के साथ भी एमओयू किया गया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दो दिवसीय उच्च शिक्षा चिंतन शिविर में प्रतिभाग कर रहे शिक्षा जगत से जुडे हुए लोगो का स्वागत करते हुए कहा कि इस चिंतन शिविर के मंथन से अवश्य ही ज्ञानरूपी अमृत निकलेगा, जो हमारे प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था के क्षेत्र में गुणात्मक सुधार करने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा देवभूमि उत्तराखण्ड सदियों से अपने ज्ञान के प्रकाश से समस्त विश्व को आलोकित करती रही है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि नई शिक्षा नीति के माध्यम से देश की आने वाली पीढ़ी हमारे देश के वास्तविक इतिहास व महान संस्कृति से परिचित हो सकेगी।जहां एक ओर मैकाले की शिक्षा व्यवस्था पर आधारित पुरानी शिक्षा पद्धति युवाओं को सिर्फ नौकरी दिलाने का उद्देश्य रखती थी, वहीं नई शिक्षा नीति के माध्यम से युवा स्वयं नौकरियां देने वाले बन सकेंगे। इसके माध्यम से युवा इन्टरप्रेन्योर बन सकेगा, स्टार्टअप विकसित कर सकेगा।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने कहा कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में चिंतन शिविर दो दिनों तक चलेगा।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में उत्तराखंड राज्य के अंतर्गत 35 विश्वविद्यालय, 119 सरकारी डिग्री कॉलेज, 300 से अधिक प्राइवेट डिग्री कॉलेज हैं। हमारे प्रदेश में देश के लगभग सभी राज्यों एवं 19 देशों से छात्र-छात्राएं अध्ययन के लिए आते हैं। राज्य सरकार ने पिछले 5 सालों में उच्च शिक्षा में सभी कॉलेजों में प्रधानाचार्य एवं पर्याप्त फैकल्टी उपलब्ध कराई है। प्रत्येक डिग्री कॉलेज नैक से समन्वय बनाने हेतु विशेष नोडल अधिकारी नियुक्त किये जायेंगे। 2025 तक राज्य में 25 मॉडल कॉलेज बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर नैक बैंगलुरू के निदेशक प्रो.एस.सी. शर्मा, चांसलर डी.आई.टी यूनिवर्सिटी श्री एन. रविशंकर, सचिव उच्च शिक्षा श्री शैलेश बगौली, अपर सचिव उच्च शिक्षा प्रशांत आर्य, निदेशक उच्च शिक्षा डॉ. जगदीश प्रसाद, डॉ बी.एस पेनमुदीराज एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

आईएमए में हुई डिप्टी कमांडेंट व चीफ इंस्ट्रक्टर की परेड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 7 दिसंबर , आगामी पासिंग आउट परेड (पीओपी) के तहत देहरादून के आईएमए में डिप्टी कमांडेंट और चीफ इंस्ट्रक्टर (डीसी एंड सीआई) की परेड हुई, जिसमें 30 विदेशी कैडेट सहित 344 जेंटलमैन कैडेट (जीसी) शामिल हुए.इस अवसर पर, आईएमए के डीसी और सीआई, मेजर जनरल आलोक जोशी ने भारतीय जीसी की सराहना की और उन्हें ₹भारतीय सेना के बेहतरीन अधिकारी₹ बनने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने ₹भारतीय सेना के वीरता, सम्मान, लोकाचार और उत्कृष्ट परंपराओं के महत्व पर जोर दिया, जबकि जीसी को पूर्णता के साथ अपना प्रशिक्षण पूरा करने में सक्षम बनाने के लिए आईएमए के संकाय सदस्यों की कड़ी मेहनत की सराहना की₹। उन्होंने 11 मित्र देशों के 30 जीसी को अपना प्रशिक्षण पूरा करने के लिए बधाई भी दी।थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे 10 दिसंबर को पीओपी में समीक्षा अधिकारी होंगे।

पौड़ी पुलिस ने धोखाधड़ी करने वाले शातिर गिरोह का किया पर्दाफाश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी , 8 दिसंबर , शिकायतकर्ता ज्ञानेन्द्र कुमार अग्रवाल ने थाना कोटद्वार पर प्रथम सूचना रिर्पोट दर्ज करायी और बताया कि कुछ व्यक्तियों द्वारा फर्जी प्रदीप सिंह बनकर फर्जी दस्तावेज बनाकर उनसे लगभग रू0 45 लाख रुपये की ठगी की गयी है । प्रथम सूचना रिर्पोट के आधार पर कोतवाली कोटद्वार ने केस दर्ज किया । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी गढ़वाल श्वेता चौबे द्वारा आम जनमानस के साथ हो रही धोखाधड़ी की घटनाओं को गम्भीरता से लेते हुये अभियुक्तगणों की शीघ्र गिरफ्तारी कर घटना का अनावरण करने हेतु निर्देशित किया गया।

45 लाख की ठगी करने वाले गिरोह के 03 सदस्यों को पौड़ी पुलिस ने किया दिल्ली से गिरफ्तार

घटना का जल्द खुलासा करने के लिए कोतवाली कोटद्वार पुलिस एवं CIU टीम का गठन किया गया। गठित टीम की प्रतिदिन की कार्यवाही की समीक्षा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा स्वयं की जा रही थी। विवेचना उपनिरीक्षक संजय रावत के सुपुर्द की गयी। दौराने विवेचनात्मक कार्यवाही ठोस अभिलेखीय/दस्तावेजी एवं अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य संकलित किये गये। विवेचनात्मक कार्यवाही के दौरान प्रकाश में आया कि अभियुक्त गण (1) अमित नेगी उर्फ गोल्डी (2) राहुल सिहं पुत्र सुरेन्द्र सिहं (3) विनोद उर्फ अनिल पुत्र गगन सिंह (4) किरण पाल सिहं पुत्र रघुराज सिंह (5) तलविन्दर सिहं उर्फ गोल्डी पुत्र भूपेन्द्र सिंह (6) जावेद पुत्र फहमिद हुसैन (7) प्रदीप चमोली उर्फ भड्डू एंव (8) सीता देवी पत्नी विनोद उर्फ अनिल निवासी शिवपुर कोटद्वार जनपद पौड़ी गढ़वाल के द्वारा वादी ज्ञानेन्द्र कुमार अग्रवाल से आपराधिक षड़यत्र कर लाखों रुपये की ठगी की गयी। घटना को अंजाम देने वाले अभियुक्त गण की गिरफ्तारी के लिए गठित पुलिस टीमों द्वारा इनके सम्भावित स्थानों पर दबिश दी गई, अभियोग पंजीकृत होने के पश्चात अभियुक्तगण गिरफ्तारी से बचने हेतु लगातार फरार चल रहे थे। पुलिस टीम द्वारा अथक प्रयास कर सर्विलान्स टीम की मदद से अभियुक्तगण (I) अमित नेगी उर्फ गोल्डी, (II) राहुल सिहं पुत्र सुरेन्द्र सिंह एवं (III) विनोद उर्फ अनिल को कालका जी दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। अभी बाकी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु जनपद पुलिस प्रयासरत है।

ने रेपो में 35 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी की

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

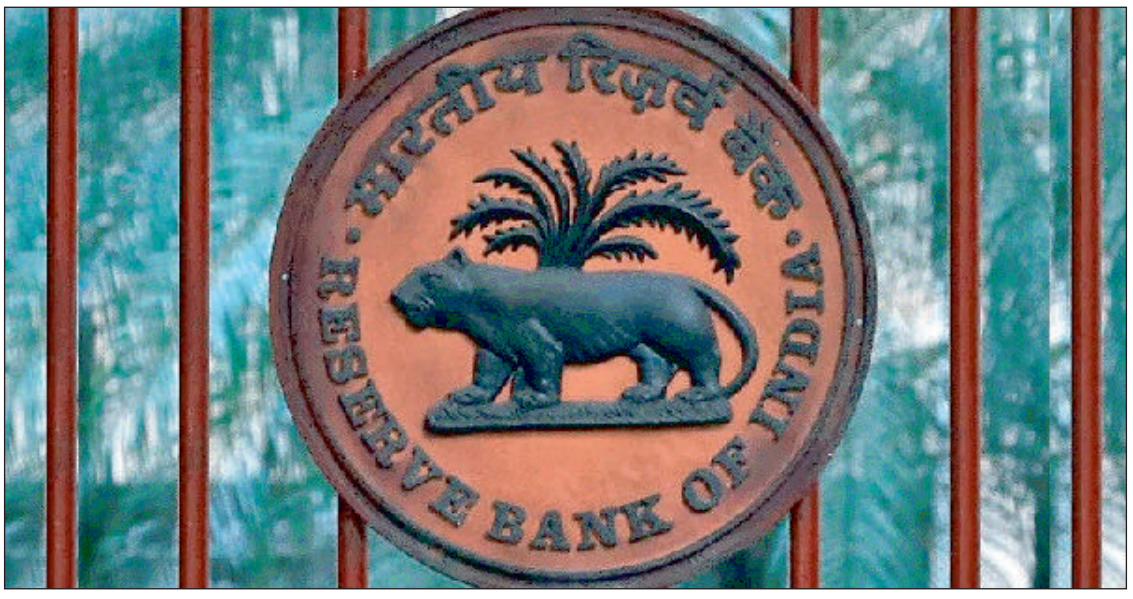

भारतीय रिज़र्व बैंक ने अपनी प्रमुख उधार दर को 35 आधार अंकों से अधिक मामूली 6.25 प्रतिशत तक बढ़ा दिया, लगातार तीन 50-बीपीएस (आधार अंक) बढ़ने के बाद धीमी मुद्रास्फीति का हवाला देते हुए कीमतों के दबाव को प्रबंधित करने के लिए जो लगातार इसके ऊपरी छोर से ऊपर बना हुआ है। लक्ष्य बैंड।मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी), जो आरबीआई के तीन सदस्यों और तीन बाहरी सदस्यों से बनी है, ने प्रमुख उधार दर में वृद्धि की, जिसे रेपो दर के रूप में भी जाना जाता है, छह में से पांच के साथ 0.35 प्रतिशत से 6.25 प्रतिशत बहुलता।स्थायी जमा सुविधा दर और सीमांत स्थायी सुविधा दर भी समान मात्रा में क्रमशः 6.00 प्रतिशत और 6.50 प्रतिशत तक बढ़ा दी गई।आरबीआई ने उपभोक्ता-मूल्य-आधारित मुद्रास्फीति के एक साल पहले अक्टूबर में 6.77 प्रतिशत के तीन महीने के निचले स्तर पर आने के बाद छोटी दर में वृद्धि के लिए धीमी कीमतों के दबाव का हवाला दिया।यह दर वृद्धि में नरमी के लिए व्यापक बाजार की उम्मीदों के अनुरूप है, यह देखते हुए कि केंद्रीय बैंक ने अपनी सख्त नीति को आगे बढ़ाया था, मुद्रास्फीति के सितंबर में संभावित रूप से चरम पर होने की भविष्यवाणी और मूल्य वृद्धि प्रक्षेपवक्र को 6 प्रतिशत से कम करने के लिए अनुकूल आधार प्रभाव अगले साल की शुरुआत से।₹RBI का रेपो रेट को 35 बीपीएस से बढ़ाकर 6.25 फीसदी करने का फैसला उम्मीद के अनुरूप है। यह फैसला महंगाई पर काबू पाने के लिए लिया गया है, जो 4 फीसदी से ऊपर बनी हुई है। यह इस साल पांचवीं बढ़ोतरी है, जो आपको बताती है कि कितना जिद्दी है। मुद्रास्फीति के रुझान रहे हैं। लेकिन विचार यह है कि मुद्रास्फीति, जबकि उच्च बनी हुई है, कम हो रही है, और दरें कहीं न कहीं अपने चरम के करीब हैं,₹ Bankbazaar.com के सीईओ आदिल शेट्टी ने कहा।लेकिन आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि मुद्रास्फीति उच्च बनी हुई है और जोखिम बने रहने के कारण मुद्रास्फीति के खिलाफ लड़ाई जारी रखनी होगी। एमपीसी का बहुमत दृष्टिकोण उदार रुख को वापस लेना है।गवर्नर ने कहा, ₹वैश्विक स्तर पर, रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद मुद्रास्फीति उच्च और व्यापक-आधारित बनी हुई है। वित्त वर्ष 2023 के लिए खुदरा मुद्रास्फीति अनुमान 6.7 प्रतिशत पर बरकरार है, और हम अर्जुन की नजर मुद्रास्फीति की गतिशीलता पर रखेंगे।₹यह बयान उन उम्मीदों के बीच आया है कि कीमतों के दबाव की संभावना चरम पर है और आर्थिक विकास के बारे में चिंता फिर से उभरी है।मई में 40 आधार अंकों और जून, अगस्त और सितंबर में प्रत्येक में 50 आधार अंकों की वृद्धि के बाद, यह लगातार पांचवीं बढ़ोतरी है, जो रेपो दर को अप्रैल 2019 के बाद से उच्चतम स्तर पर ले जाती है।मई के बाद से, आरबीआई ने घरेलू खुदरा मुद्रास्फीति को कम करने के लिए बेंचमार्क दर में कुल 2.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है, जो इस साल प्रत्येक महीने में केंद्रीय बैंक के 2-6 प्रतिशत के सहिष्णुता बैंड के ऊपरी छोर को लगातार पार कर गया है।जबकि बुधवार की दर वृद्धि केवल एक छोटी है, यह अभी भी पहले से ही खींचे गए मासिक घरेलू बजट पर अधिक भार डालेगी, जो उच्च उधार लागत और लगभग हर चीज की कीमत में वृद्धि से निपटने के लिए है।जैसा कि हाल के महीनों में देखा गया है, भारतीय बैंक निश्चित रूप से आरबीआई की नवीनतम दर वृद्धि को तुरंत ग्राहकों तक पहुंचाएंगे, जिससे ऋण महंगा हो जाएगा और उच्च समान मासिक किस्त (ईएमआई) हो जाएगी।₹इस साल सभी उपभोक्ता ऋण महंगे हो गए हैं। उधारकर्ता बढ़ते ब्याज और बढ़ती ईएमआई के दबाव में हैं। जमा दरें, जो रेपो दर में वृद्धि के साथ तालमेल नहीं बिठा पाई हैं, अब भी बढ़ रही हैं। 2 दिसंबर तक, 38 बैंकों ने पेशकश की चुनिंदा अवधियों पर 7.00 प्रतिशत या अधिक की एफडी (फिक्स्ड डिपॉजिट) दरें। अपने होम लोन का प्रीपेमेंट तब करें जब फंड उपलब्ध हो, चमत्कार कर सकता है और आपके बैलूनिंग लोन अवधि को कम कर सकता है,₹ Bankbazaar.com के सीईओ श्री शेट्टी ने कहा।अपेक्षाकृत बड़ी दरों में वृद्धि ने चिंता जताई है कि मुद्रास्फीति के खिलाफ लड़ाई आर्थिक विकास को रोकने का जोखिम भी उठा सकती है, एक ऐसा विचार जिसने कई शीर्ष संस्थानों को इस वर्ष और अगले वर्ष के लिए अपने भारत के सकल घरेलू उत्पाद विकास पूर्वानुमानों को कम करने के लिए मजबूर किया है, जो केंद्रीय को मजबूर कर सकता है।

किसी बिंदु पर बढ़ोतरी को रोकने के लिए बैंक का हाथ।आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने विकास अनुमान को सितंबर में 7.0 प्रतिशत से घटाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया।लेकिन श्री दास ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था लचीली बनी हुई है और एक उदास दुनिया में इसे एक उज्ज्वल स्थान के रूप में देखा जाता है।आरबीआई गवर्नर ने कहा, ₹जीडीपी वृद्धि में 6.8 प्रतिशत की मामूली गिरावट के बावजूद, भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। एक परस्पर जुड़ी दुनिया में, हम पूरी तरह से अलग नहीं रह सकते। वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों से सबसे बड़ा जोखिम बना रहता है।

गर्दन का कालापन दूर करने के आयुर्वेदिक उपाय

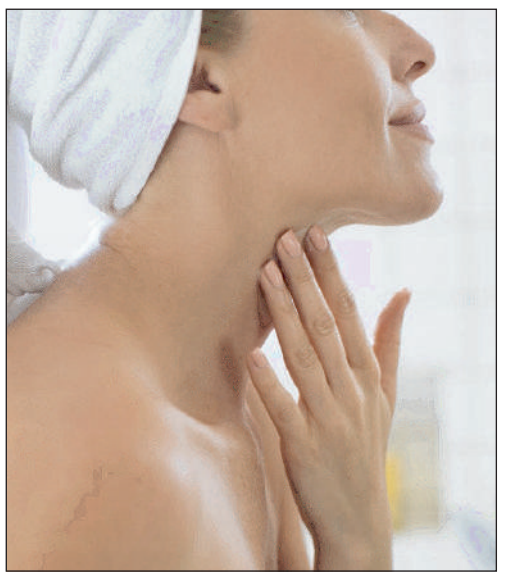

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आलू के रस से लेकर संतरे के छिलके तक, यहां गर्दन के कालेपन से छुटकारा पाने के चार प्रभावी आयुर्वेदिक उपाय बताए गए हैं।क्या आपकी गर्दन का रंग आपके शरीर के बाकी हिस्सों से अलग है? वैसे तो गर्दन के काले होने के कई कारण होते हैं। चेहरे की देखभाल के हिस्से के रूप में उत्पादों को गर्दन पर लगाने का एक कारण है। लेकिन अक्सर जल्दबाजी में हम उस हिस्से को नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे पिगमेंटेशन या गर्दन काली होने जैसी समस्याएं हो सकती हैं।हमारी गर्दन की त्वचा हमारे चेहरे की त्वचा के लगभग बराबर जोखिम का अनुभव करती है। हाइपरपिग्मेंटेशन त्वचा के इस प्रकार के स्थानीयकृत कालेपन का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द है।आम तौर पर, हम एक चमकदार उपस्थिति प्राप्त करने के लिए फेशियल, एक्सफोलिएशन और मालिश सहित कई उपचारों का उपयोग करते हैं, लेकिन हम अक्सर गर्दन की उचित देखभाल करने की अपेक्षा करते हैं। हमारी गर्दन के आसपास की त्वचा आसपास की त्वचा की तुलना में स्पष्ट रूप से गहरी होती है। गर्दन के कालेपन से छुटकारा पाने के लिए ये चार उपयोगी आयुर्वेदिक का उपचार कीजिए।

1. आलू का रस

उच्च स्टार्च सामग्री के कारण आलू में ब्लीचिंग गुण होते हैं। यह आपकी त्वचा को हल्का करने में मदद करता है। आलू का ताजा निकाला हुआ रस भी काले धब्बे को कम करता है और आपको एक समान त्वचा टोन प्राप्त करने में मदद करता है।

2. दही

दही प्राकृतिक एंजाइमों का एक समृद्ध स्रोत है जो आपकी त्वचा की रंगत में सुधार करता है। इसके अतिरिक्त, यह आपकी त्वचा को गहराई से पोषण और मॉइस्चराइज़ करने में मदद करता है, जिससे यह नरम, कोमल और चिकनी हो जाती है।

3. एलोवेरा

एलोवेरा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो स्वाभाविक रूप से आपकी रंगत में सुधार करते हैं। एंटीऑक्सिडेंट आपकी त्वचा के रंजकता के लिए जिम्मेदार एंजाइमों की क्रिया को नियंत्रित करते हैं। साथ ही, यह आपकी त्वचा को हाइड्रेट करने और पोषण देने में मदद करता है।

4. संतरे का छिलक

।संतरे के छिलके में त्वचा को गोरा करने वाले गुण होते हैं। इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो टाइरोसिन नामक यौगिक के खिलाफ काम करते हैं जो त्वचा को काला करने में भूमिका निभाता है। इसे अपनी गर्दन के काले क्षेत्रों पर लगाएं और 10-15 मिनट के लिए छोड़ दें, जिसके बाद आप इसे धो सकते हैं।

क्या हो अगर ट्रेन के यात्रियों को ऐसी सीटें आवंटित की जाए जो मौजूद ही ना हो...

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

एक विचित्र घटना में लखनऊ से वाराणसी जाने वाली ट्रेन में सवार एक यात्री ने पाया कि उसे एक ऐसी सीट आवंटित की गई थी जो अस्तित्व में ही नहीं थी। 14204 लखनऊ-वाराणसी इंटरसिटी एक्सप्रेस के कोच।वह यह महसूस करने के लिए ट्रेन में चढ़े कि उनके कोच में केवल 73 सीटें थीं। उसने आईआरसीटीसी के माध्यम से ऑनलाइन टिकट बुक किया था। "एक यात्रा टिकट परीक्षक (टीटीई) ने हमें बताया कि इस तरह के मामले आम हैं और उन्होंने संबंधित विभाग और उच्च अधिकारियों से टिकट बुकिंग में गड़बड़ी की शिकायत की है। लेकिन तकनीकी गड़बड़ी को दूर करने के लिए अब तक कोई कदम नहीं उठाया गया।'उन्हें और उनके भाई को बाद में अलग-अलग सीटें आवंटित की गईं।टीटीई ने उन्हें यह भी बताया कि दूसरे कोच में 75 सीटें थीं, लेकिन शुक्ला को जो कोच आवंटित किया गया था, उसमें केवल 73 थे। टीटीई ने यह भी कहा कि उन्हें उन

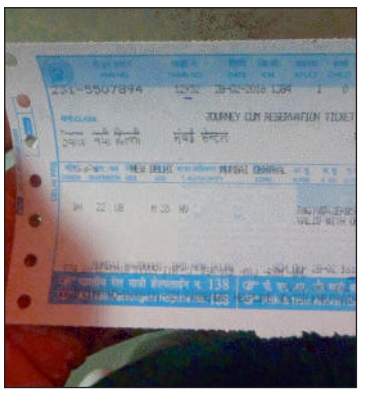

यात्रियों का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है जो उन्हें चिल्लाते और गालियां देते हैं।'चारबाग रेलवे स्टेशन के स्टेशन निदेशक आशीष सिंह ने तकनीकी गड़बड़ी पर ध्यान देते हुए कहा, ₹इस समस्या को हमारे संज्ञान में लाया गया है. हमने रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र को सूचना भेज दी है, जो भारतीय रेलवे की अधिकांश प्रमुख सूचना प्रणालियों को बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है। अगर समस्या बनी रहती है, तो हम इस पर गौर करेंगे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया इन्दिरा मार्केट रि-डेवलपमेंट का शिलान्यास

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 8 दिसंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इन्दिरा मार्केट, देहरादून के निकट विधानसभा क्षेत्र राजपुर के अन्तर्गत विभिन्न विकास योजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। जिसमें लगभग 257 करोड़ रूपये की योजनाओं शिलान्यास एवं लगभग 7 करोड़ रूपये की योजनाओं का लोकार्पण किया। जिसमें लगभग 242 करोड़ की लागत के इन्दिरा मार्केट रि-डेवलपमेंट का शिलान्यास भी शामिल है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आज जिन योजनाओं का शिलान्यास किया गया है, ये सभी योजनाएं तय सीमा के अन्दर पूर्ण की जायेंगी। उन्होंने कहा कि कार्यों में समय एवं गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश अधिकारियों को दिये गये हैं। जिन कार्यदाई संस्थाओं द्वारा कार्य के प्रति लापरवाही दिखाई गई है, उन पर सख्त कार्रवाई भी की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये गये हैं कि जन सुविधाओं के दृष्टिगत सभी कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण किये जाएं। सरलीकरण, समाधान, निस्तारण एवं संतुष्टि के भाव से कार्य किये जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दशक को उत्तराखण्ड का दशक बनाने के लिए राज्य सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। सभी के सहयोग से उत्तराखण्ड को श्रेष्ठ राज्य बनाया जायेगा।शहरी विकास मंत्री प्रेम चन्द अग्रवाल ने कहा कि जिन योजनाओं का आज लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया है। इन योजनाओं से आम जन को काफी सुविधाएं होंगी। इन्दिरा मार्केट रि-डेवलपमेंट होने से एक बड़ी समस्या का समाधान होगा। इसके तहत 581 दुकानें एवं 56 कियोस्क बनेंगे। 1050 वाहनों की क्षमता की पार्किंग बनेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है।

राजपुर विधायक खजानदास ने उनकी विधानसभा के लिए बड़ी सौगातें देने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इंदिरा मार्केट रि-डेवलपमेंट होने से एक बड़ी समस्या का समाधान होगा। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, मेयर सुनील उनियाल गामा, विधायक सविता कपूर, भाजपा के महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल, भाजपा नेता अनिल गोयल, विश्वास डाबर, पुनीत मित्तल, जिलाधिकारी सोनिका एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

'सशस्त्र सेना झंडा दिवस' पर सीएम धामी ने की ये अपील

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश चंद्रमणि राय की अदालत ने सोमवार को देहरादून निवासी अभिषेक शर्मा को 2017 में पत्नी नीति शर्मा की हत्या के आरोप में आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

यूपी के सहारनपुर का रहने वाला अभिषेक (34) देहरादून के बंजारावाला में किराए के मकान में रहता है। उनके परिवार सहित घर।हत्या 16 अप्रैल, 2017 को हुई थी। अभियोजन पक्ष ने कहा कि नीति की हत्या के बाद अभिषेक ने पुलिस को फोन करने से पहले उसके शरीर के साथ एक घंटे से अधिक समय बिताया। हालांकि, बचाव पक्ष ने तर्क दिया कि शर्मा का अपनी पत्नी को मारने का कोई इरादा नहीं था और यह एक दुर्घटना थी क्योंकि उसने गुस्से में अपनी पत्नी का गला घोंट दिया था।दंपति के दो बेटे हैं जो 2017 में आठवीं और पांचवीं कक्षा में पढ़ रहे थे। नीति की मां साक्षी भारती ने अपने बयान में कहा कि उनकी बेटी की अभिषेक से करीब 15 साल पहले शादी हुई थी और वह एक निजी शिक्षक थी। भारती ने अदालत को बताया कि नौसेना से बर्खास्त अभिषेक अपराध के वक्त बेरोजगार था और पैसों के लिए अपनी पत्नी को प्रताड़ित करता था।

देहरादून के शख्स को पत्नी की हत्या के जुर्म में उम्रकैद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश चंद्रमणि राय की अदालत ने सोमवार को देहरादून निवासी अभिषेक शर्मा को 2017 में पत्नी नीति शर्मा की हत्या के आरोप में आजीवन कारावास की सजा सुनाई। यूपी के सहारनपुर का रहने वाला अभिषेक (34) देहरादून के बंजारावाला में किराए के मकान में रहता है। उनके परिवार सहित घर।हत्या 16 अप्रैल, 2017 को हुई थी। अभियोजन पक्ष ने कहा कि नीति की हत्या के बाद अभिषेक ने पुलिस को फोन करने से पहले उसके शरीर के साथ एक घंटे से अधिक समय बिताया। हालांकि, बचाव पक्ष ने तर्क दिया कि शर्मा का अपनी पत्नी को मारने का कोई इरादा नहीं था और यह एक दुर्घटना थी क्योंकि उसने गुस्से में अपनी पत्नी का गला घोंट दिया था।दंपति के दो बेटे हैं जो 2017 में आठवीं और पांचवीं कक्षा में पढ़ रहे थे।

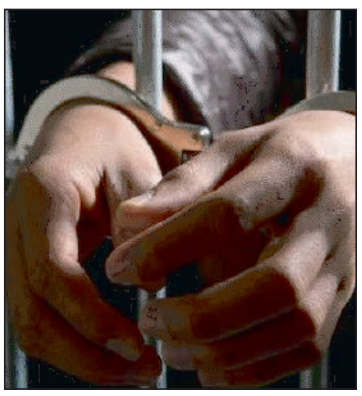

नीति की मां साक्षी भारती ने अपने बयान में कहा कि उनकी बेटी की अभिषेक से करीब 15 साल पहले शादी हुई थी और वह एक निजी शिक्षक थी। भारती ने अदालत को बताया कि नौसेना से बर्खास्त अभिषेक अपराध के वक्त बेरोजगार था और पैसों के लिए अपनी पत्नी को प्रताड़ित करता था।

भर्ती...भर्ती...भर्ती...उत्तराखंड के 10 जिलों में महिला होमगार्ड की भर्ती

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड के 10 जिलों में महिला होमगार्ड की एक प्लाटून (संख्या में 330) की भर्ती की घोषणा की। महिला प्लाटून उधमसिंह नगर, पिथौरागढ़, चंपावत, अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, रुद्रप्रयाग, पौड़ी, उत्तरकाशी और टिहरी जिलों में स्थापित की जाएंगी।होमगार्ड्स के स्थापना दिवस के अवसर पर देहरादून में एक कार्यक्रम में, सीएम धामी ने 'पहल' ऐप लॉन्च किया, जो मानसिक स्वास्थ्य के प्रमुख मुद्दे और होमगार्ड से संबंधित अन्य मुद्दों को संबोधित करेगा।

सीएम ने अपने गृह जिले से दूर तैनात गार्डों के लिए 180 रुपये के भोजन भत्ते की भी घोषणा की। ड्यूटी के 24 घंटे के भीतर घायल या बीमार होने वाले होमगार्ड स्वयंसेवकों को पूरी सेवा अवधि के दौरान अस्पताल में भर्ती होने पर अधिकतम छह महीने के लिए ड्यूटी भत्ता दिया जाएगा। साथ ही अवैतनिक प्लाटून कमांडरों के मानदेय में भी वृद्धि की गई।गैर-वेतनभोगी प्लाटून कमांडरों का मानदेय 1000 रुपये से बढ़ाकर 1500 रुपये प्रति माह और गैर-वेतनभोगी सहायक कंपनी कमांडरों का मानदेय 1200 रुपये से बढ़ाकर 2000 रुपये प्रतिमाह किया जाएगा।

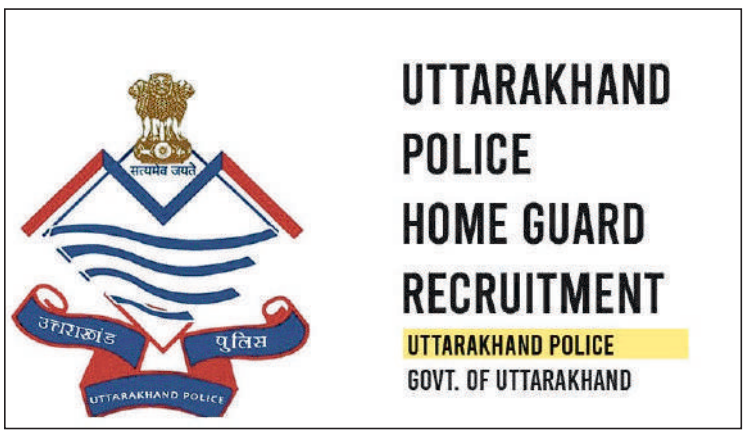

रुद्रप्रयाग कोर्ट ने बीमा कंपनी को दुर्घटना में परिवार खोने वाली दो लड़कियों को 1.89 लाख रुपये देने का आदेश दिया

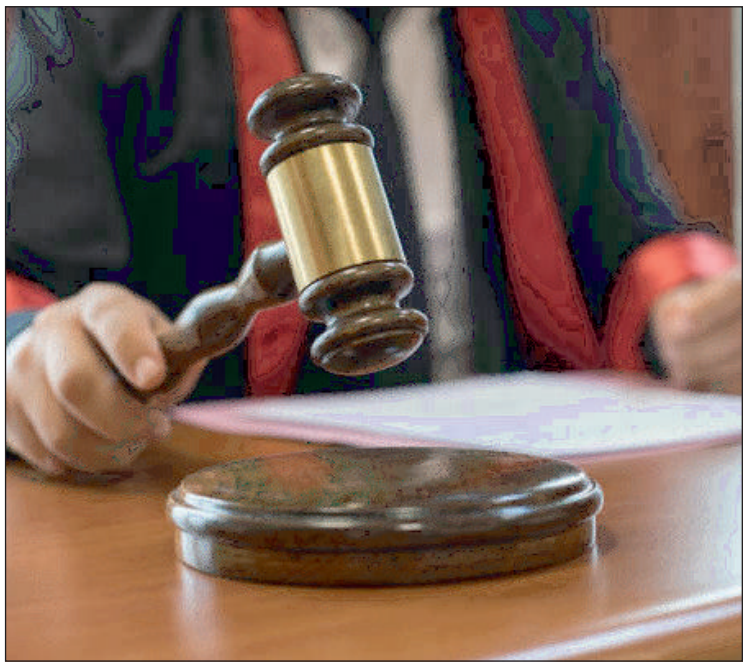

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग जिला उपभोक्ता अदालत ने एक बीमा कंपनी को टिहरी जिले में 16 जनवरी, 2020 को एक कार दुर्घटना में अपने माता-पिता और एक भाई को खोने वाली दो लड़कियों को मुआवजे के रूप में 1.89 लाख रुपये देने का आदेश दिया है.लड़कियों ने मार्च 2022 में अदालत का दरवाजा खटखटाया था, जब नेशनल इंश्योरेंस कंपनी ने उनके दावे को खारिज कर दिया था, जिसमें कहा गया था कि दुर्घटना के समय 5-सीटर वाहन में छह लोग यात्रा कर रहे थे।

अपनी याचिका में, बहनों - कंचन और अंजू पालियाल - ने कहा कि उनके पिता माकन सिंह उस कार के मालिक थे जो 16 जनवरी, 2020 को एक खाई में गिर गई थी। सिंह अपनी पत्नी संपति देवी, बेटे दिव्यांशु और तीन अन्य लोगों के साथ थे। देहरादून से रुद्रप्रयाग आ रहे थे तभी टिहरी गढ़वाल जिले के देवप्रयाग में हादसा हो गया। सभी यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई।कुछ दिनों के बाद, बीमा कंपनी को घटना के बारे में सूचित किया गया और प्राथमिकी की एक प्रति के साथ आवश्यक कागजात प्रदान किए गए।कार का बीमा 3 अक्टूबर, 2019 से एक वर्ष की अवधि के लिए किया गया था और बीमित घोषित मूल्य (IDV) 1.99 लाख रुपये था। 8 अगस्त, 2020 को कंपनी ने सिंह के नॉमिनी को पत्र भेजकर सूचित किया कि ओवरलोडिंग के आधार पर उनका दावा खारिज कर दिया गया है।

सर्वेयर ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि कार में छह लोग यात्रा कर रहे थे, जिसकी क्षमता केवल पांच लोगों को ले जाने की थी।दस्तावेजों की जांच के बाद, अदालत ने कहा, चूंकि दुर्घटना के समय कार में छह यात्री यात्रा कर रहे थे, यह आईडीवी में 10% कटौती के लिए न्यायसंगत होगा। अदालत ने कंपनी को ₹मानसिक उत्पीड़न₹ के लिए 5,000 रुपये के मुआवजे और कानूनी शुल्क के लिए 5,000 रुपये के मुआवजे के साथ दुर्घटना के दावे के रूप में 179,451 रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया।

उत्तराखंड के युवाओं के लिए अच्छी खबर, 929 पदों पर वैकेंसी भरने के आदेश जारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

प्रदेश में शीघ्र ही सरकारी नौकरी के भरपूर अवसर उपलब्ध होंगे।अतिथि शिक्षकों के रिक्त 929 पदों को शीघ्र भरने के निर्देश माध्यमिक शिक्षा निदेशक को दिये गये हैं। वहीं, नर्सिंग भर्ती भी जल्द शुरू होने की उम्मीद है। अतिथि शिक्षकों के 929 पद शीघ्र भरने के निर्देशप्रदेश में शिक्षकों की कमी से पठन-पाठन की समस्या से जूझ रहे सरकारी माध्यमिक विद्यालयों को राहत मिली है. सरकार ने माध्यमिक शिक्षा निदेशक को अतिथि शिक्षकों के रिक्त 929 पदों को शीघ्र भरने के निर्देश दिये हैं.शासकीय माध्यमिक विद्यालयों विशेषकर दूरस्थ पर्वतीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा को सुचारू रखने में अतिथि शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसे देखते हुए सरकार ने अतिथि शिक्षकों के लिए कुल 5034 पद निर्धारित किए हैं। इनमें से 4105 पदों पर अतिथि शिक्षक कार्यरत हैं। 929 पद खाली हैं।शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने स्कूलों में पढ़ाई सुचारू रखने के लिए विभागीय समीक्षा बैठक में अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति के निर्देश दिए थे. शिक्षा सचिव रविनाथ रमन ने सोमवार को इस संबंध में आदेश जारी किया।आदेश में कहा गया कि राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में गणित, अंग्रेजी सहित अन्य विषयों के शिक्षकों के पद रिक्त हैं.इन पदों पर अतिथि शिक्षकों की पदस्थापना की जाए। अतिथि शिक्षकों को 25 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाता है। दूर-दराज के विद्यालयों में जहां नियमित शिक्षक नहीं जा पा रहे हैं, वहां अतिथि शिक्षक भी पठन-पाठन सुचारू रखने में अपना योगदान दे रहे हैं.

देश में 61% पुरुषों के पास मोबाइल फोन लेकिन महिलाओं के पास कितने?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 8 दिसंबर , एक मीडिया रिपोर्ट की खबर है कि ऑक्सफैम की रिपोर्ट कहती है, सामान्य वर्ग के मुकाबले अनुसूचित जाति के लोगों के पास 1 फीसदी से कम और अनुसूचित जनजाति वर्ग के मात्र 2 फीसदी लोगों के पास कंप्यूटर या लैपटॉप हैं. जी हाँ ये मौजूदा आंकड़े एक रिपोर्ट पर आधारित है।तकनीक को अपनाने में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है, लेकिन इसके इस्तेमाल को लेकर अभी भी भारत में महिला और पुरुष के बीच अंतर दिखाई दे रहा है. इसका खुलासा ऑक्सफैम इंडिया की सोमवार को जारी हुई रिपोर्ट में किया गया. रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में जाति, धर्म, जेंडर और भौगोलिक स्थितियों आधार पर समानताएं बढ़ रही हैं. इसका असर डिजिटल जगत में नजर आ रहा है. इसका एक उदाहरण मोबाइल यूजर्स की संख्या से पता चलता है.

रिपोर्ट के मुताबिक देश में 61 फीसदी पुरुष मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन महिलाओं का आंकड़ा चौंकाता है. देश में मात्र 31 फीसदी महिलाओं के पास मोबाइल हैं. इंडिया इनईक्वैलिटी रिपोर्ट 2022 में जाति वर्ग आधार पर भी तकनीक की पहुंच को समझाया गया है. रिपोर्ट के मुताबिक, सामान्य वर्ग के 8 फीसदी लोगों के पास कंप्यूटर या लैपटॉप है.रिपोर्ट कहती है, सामान्य वर्ग के मुकाबले अनुसूचित जाति के लोगों के पास 1 फीसदी से कम और अनुसूचित जनजाति वर्ग के मात्र 2 फीसदी लोगों के पास कंप्यूटर या लैपटॉप हैं. इतना ही नहीं, वेतन भोगी और बेरोजगारों में भी फर्क साफ देखा जा सकता है. वेतन पाने वाले 95 फीसदी स्थायी कामगारों के पास मोबाइल है, वहीं, 50 फीसदी बेरोजगार ऐसे भी हैं जिनके पास मोबाइल की सुविधा नहीं है.रिपोर्ट के मुताबिक, ग्रामीण हिस्से में कम्प्यूटर उपकरणों का इस्तेमाल घटा है. महामारी से पहले करीब 3 फीसदी ग्रामीणों के पास कम्प्यूटर था, 2021 में यह आंकड़ा 1 फीसदी ही रह गया. इतना ही नहीं, सितंबर 2020 में लॉकडाउन के दौरान देश के पांच राज्यों में रैपिड असेसमेंट सर्वे किया गया. सर्वे में सामने आया कि 82 प्रतिशत माता-पिता को अपने बच्चों के लिए डिजिटल शिक्षा अपनाने में चुनौतियों का सामना करना पड़ा. निजी स्कूलों में सिग्नल और इंटरनेट स्पीड सबसे बड़ी समस्या बनी.

गजब ! बॉबी किन्नर ने जीत लिया दिल्ली का दिल, बन गयी पार्षद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 8 दिसंबर , दिल्ली नगर निगम चुनाव की इकलौती ट्रांसजेंडर उम्मीदवार बॉबी किन्नर जीत चुकी हैं। आम आदमी पार्टी (AAP) ने उन्हें सुल्तानपुरी-A वार्ड 43 से अपना प्रत्याशी बनाया था। दिल्ली के चुनावी इतिहास में पहली बार किसी किन्नर उम्मीदवार ने जीत दर्ज की है। दिल्ली में आप से पहले किसी राजनीतिक दल ने किसी ट्रांसजेंडर को अपना प्रत्याशी नहीं बनाया था। बॉबी इससे पहले साल 2017 में निर्दलीय नगर निगम का चुनाव लड़ थीं, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

पहली बार किन्नर ने जीता दिल्ली में चुनाव

एमसीडी चुनाव में जीत हासिल करने वालीं बॉबी का शुरुआती जीवन बेहद संघर्षपूर्ण रहा है। उन्हें बचपन में बहुत परेशान किया जाता था। 14-15 साल की उम्र में उन्हें ट्रांसजेंडर समुदाय के एक गुरु ने अपना लिया था। आज सुल्तानपुर माजरा के निवासी बॉबी को प्यार से 'बॉबी डार्लिंग' कहते हैं। 38 वर्षीय बॉबी ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा था, "मैंने अपने जीवन में अपमान का सामना किया है। लेकिन मैंने कभी सपना देखना नहीं छोड़ा। मुझे उम्मीद है कि मेरे जैसे ट्रांसजेंडर लोगों को एक दिन समाज में सम्मान जरूर मिलेगा। मुझे पता है कि ट्रांसजेंडर लोगों को अभी भी हेय दृष्टि से देखा जाता है... बहुत कुछ किया जाना है, लेकिन यह पहला कदम है।

शादी में नाचती थीं बॉबी

बॉबी पहले शादियों में डांस किया करती थीं। बाद में वह सामाजिक कार्यकर्ता बन गईं और अब राजनीति में अपनी राह बना रही हैं। अपने सफर को याद करते हुए बॉबी कहती हैं, "स्कूल में मुझे परेशान किया जाात था। मेरे माता-पिता मुझसे प्यार करते थे। लेकिन वो भी समाज के दबाव में आ गए। जब मैं लगभग 14-15 साल की थी, तो मुझे मेरे गुरु अपने पास ले आए। वह अब इस दुनिया में नहीं हैं। उन्होंने मुझे रहने की जगह और प्यार दिया। मुझे अपने जैसे लोग मिले, मुझे घर जैसा महसूस हुआ।"

शुरुआत में बॉबी शादियों और जन्मदिनों में नाचती-गाती थीं। 21-22 साल की होने पर वह एक एनजीओ से जुड़ गईं। वहीं उन्होंने पढ़ना लिखना सीखा। यहीं से उनके सामाजिक कार्यकर्ता बनने की शुरुआत हुई। वह वंचित बच्चों और ट्रांसजेंडर्स के लिए काम करने लगीं। बॉबी का जन्म और पालन-पोषण सुल्तानपुर इलाके में हुआ था। वह अब भी अपने मां से संपर्क में हैं। वह कहती हैं, "मेरी माँ ने हमेशा मुझसे प्यार किया और अब भी करती हैं। मेरा एक छोटा भाई है, जो प्राइवेट नौकरी करता है। मेरे पिता एक छोटा ढाबा चलाया करते थे। अब वह नहीं रहे। मेरी मां ने छोटे-मोटे काम करके हमारा पालन-पोषण किया था। मैं अब भी उनसे मिलती हूं। और उनके साथ समय बिताती हूं।

Bobby Kinnar Victory बोबी का जन्म और पालन-पोषण सुल्तानपुर इलाके में हुआ था। यह पूछे जाने पर कि क्या वह अपने माता-पिता के संपर्क में है, उसने कहा, "हाँ, मेरी माँ हमेशा मुझसे प्यार करती थी और अब भी मुझसे प्यार करती है... मेरा एक छोटा भाई है जो निजी क्षेत्र में काम करता है... मेरे पिता एक छोटा ढाबा चलाते थे; वह अब नहीं रहे... मेरी मां ने छोटे-मोटे काम करके हमारा पालन-पोषण किया। मैं अब भी उनसे मिलती हूं और उनके साथ समय बिताता हूं।" बता दें कि बॉबी की मां ने उनके लिए चुनाव प्रचार भी किया था।

श्रद्धा अपनी बम्बल डेट से मिलने गई और इससे आफताब भड़क गया, आरोपी ने पुलिस को बताया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

दिल्ली के महरौली इलाके में श्रद्धा वाकर हत्या मामले में नवीनतम रहस्योद्घाटन में, आरोपी आफताब पूनावाला ने पूछताछ के दौरान पुलिस को बताया कि वह पीड़िता से नाराज था क्योंकि वह 17 मई को कथित तारीख पर गई थी. इसकी पुष्टि पुलिस ने श्रद्धा के कॉल डिटेल रिकॉर्ड और सेल टावर लोकेशन से भी की थी।आफताब ने आगे दावा किया कि श्रद्धा डेटिंग ऐप बंबल पर मिलने वाली डेट से मिलने के लिए गुरुग्राम गई थीं।

अगले दिन 18 मई को श्रद्धा दोपहर में अपने महरौली स्थित फ्लैट पर लौटीं. पूछताछ के दौरान आरोपी ने पुलिस को यह भी बताया कि जाहिर तौर पर इससे दोनों के बीच आखिरी लड़ाई हुई और फिर उसने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी।पुलिस ने बम्बल को पत्र लिखकर श्रद्धा और उनकी कथित डेट के बारे में जानकारी मांगी थी। हालांकि, पुलिस ने अभी तक उत्तर की सामग्री का खुलासा नहीं किया है।आफताब ने पहले पुलिस को बताया था कि उनके संबंध अच्छे नहीं थे और उन्होंने श्रद्धा से रिश्ता तोड़ लिया था। उन्होंने यह भी दावा किया था कि वे अब एक विशेष रिश्ते में नहीं थे और दोनों किराए के आवास में जोड़ों की तुलना में फ्लैटमेट्स की तरह अधिक रह रहे थे। आफताब ने 19 मई को मुंबई की यात्रा की योजना बनाई थी, जिसे उसने अभी-अभी की गई हत्या के कारण रद्द कर दिया था, और शरीर से छुटकारा पाने के लिए चाकू और कैंची की एक जोड़ी खरीदी थी। उसने पहले उसकी कलाई और टखनों को काटने से पहले चाकू और कैंची की मदद से आंतों को काटा।हाल ही में किए गए नार्को-एनालिसिस टेस्ट के दौरान आफताब ने कहा कि उन्हें श्राद्ध के शरीर के अंगों को महरौली के जंगलों में फेंकने का विचार जंगल के पास स्थित बद्री हाउस नाम के एक दोस्त के घर जाने के बाद आया। बद्री दक्षिण दिल्ली के छतरपुर पहाड़ी इलाके में आफताब के किराए के फ्लैट के पास रहता था। दरअसल, आफताब और श्रद्धा जब हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड से लौटे तो कुछ दिन बद्री के घर रुके थे।

bumble

देवभूमि के चमत्कारी नीम करौली बाबा के अद्भुत किस्से

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 दिसंबर , भारत का शायद ही कोई कोना होगा, जहां नीम करौली बाबा के भक्त न हों। भारत की महान संत परंपरा को आगे बढ़ाने वाले इस महात्मा का जन्म सन 1900 के आसपास उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले के अकबरपुर गांव में हुआ था। माता-पिता ने बालक का नाम रखा, लक्ष्मी नारायण। कहा जाता है कि पिता दुर्गा प्रसाद शर्मा ने 11 साल की उम्र में ही लक्ष्मी नारायण की शादी करा दी थी। लेकिन, बालक तो बचपन से वैरागी था। हिमालय की सुरम्य वादियों में बने एक आश्रम में भंडारा चल रहा था। प्रसाद पाने के लिए भक्तों की लंबी कतार लगी थी वहां कि तभी देसी घी ख़त्म हो गया। अब पूरियां कैसे तली जाएं? कुछ घबराए हुए भक्त एक बुजुर्ग के पास पहुंचे और कहा, 'महाराज, घी तो खत्म हो गया!' बुजुर्ग ने कहा, 'जाओ, नदी से डिब्बों में पानी भर लाओ।' हैरान भक्तों ने आदेश का पालन किया। कहा जाता है कि बाद में रसोई में पानी से भरे डिब्बों को खोला गया, तो उसमें देसी घी था। भक्तों ने अपने प्यारे बाबा के चरण पकड़ लिए। जिन बाबा के बारे में यह वाकया प्रचलित है, वह कोई और नहीं, महान संत नीम करौली बाबा थे।

लक्ष्मी नारायण ने 17 साल की उम्र में घर छोड़ दिया। वह ईश्वर को खोज रहे थे। घूमते-टहलते पहुंचे गुजरात के मोरबी जिले के बबानिया गांव। कहा जाता है कि लक्ष्मी नारायण यहां तालाब में रहकर तपस्या करते थे। नाम पड़ गया, तलैया बाबा। कुछ साल बाद लक्ष्मी नारायण यहां से उत्तर भारत की ओर बढ़े। तपस्या के लिए अगली जगह थी, उत्तर प्रदेश का फर्रुखाबाद ज़िला। नीम करौली गांव के लोगों ने साधु बाबा के लिए गांव के बाहर ज़मीन में एक गुफा बना दी। गांव वाले उन्हें प्यार से लक्ष्मण दास बाबा कहते। बाबा ज़्यादातर समय ध्यान करते थे। बाहर आते तो नीम करौली के बाशिंदे उनकी खूब सेवा करते। समस्याओं से घिरे लोग जब बाबा के आशीर्वाद से ठीक होने लगे, तो उन्हें समझ आ गया कि लक्ष्मणदास बाबा कोई साधारण व्यक्ति नहीं। गांव के एक बेऔलाद शख़्स ने लक्ष्मणदास बाबा से संतान के लिए प्रार्थना की। बाबा ने कहा, 'कुआं बनवा दे, संतान हो जाएगी।' उस शख़्स ने गांव में

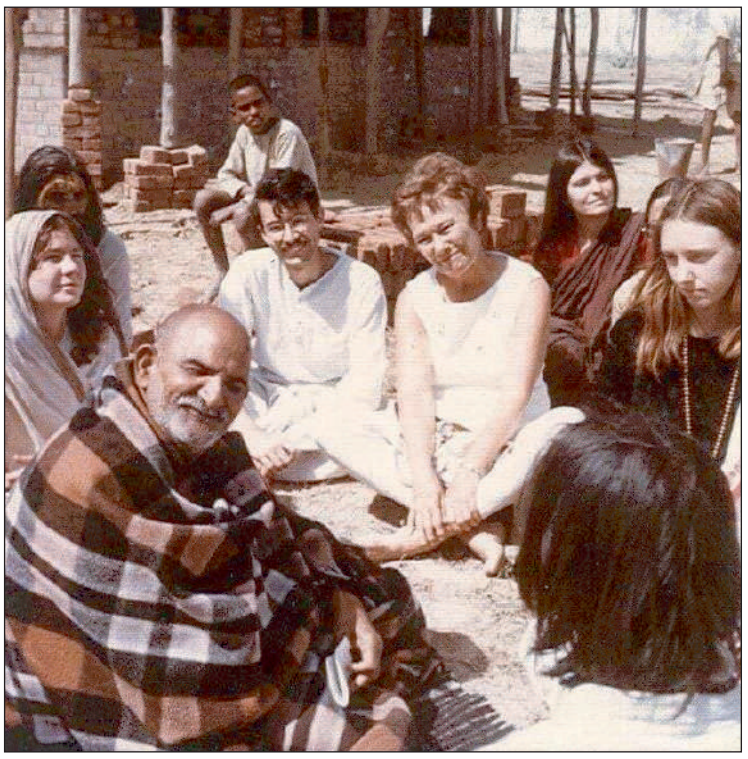

कुआं बनवा दिया, लेकिन उसका पानी तो खारा था। बाबा ने कहा, 'कुएं में 10 बोरी चीनी डलवा दो, पानी मीठा हो जाएगा।' गांववालों ने ऐसा ही किया। बरसों बाद भी आज इस कुएं का पानी मीठा है।' बाबा लक्ष्मणदास की ख्याति दूर तक फैलने लगी थी। लोग बाबा के पास आते और अपनी समस्याएं बताते। मानवता के कल्याण के लिए समर्पित बाबा अपनी शक्ति के अनुसार लोगों की समस्याएं ख़त्म कर देते। कोई बीमारी से मुक्ति पाता, तो किसी की गोद भर जाती, किसी को नौकरी मिलती तो कोई अकाल मौत से बचता।

अंग्रेज़ी शासन में एक दिन कंबल लपेटे एक साधु ट्रेन के फर्स्ट क्लास कोच में सवार हो गए। टिकट चेकर ने बाबा को नीचे उतार दिया। बाबा प्लैटफॉर्म पर बैठ गए। सिग्नल हुआ, लेकिन ड्राइवर के लाख प्रयासों के बावजूद गाड़ी आगे नहीं बढ़ी। दो घंटे गुज़र गए। तभी अचानक एक शख़्स ने बाबा से मज़ाकिया लहज़े में कहा, 'बाबा मंतर-वंतर

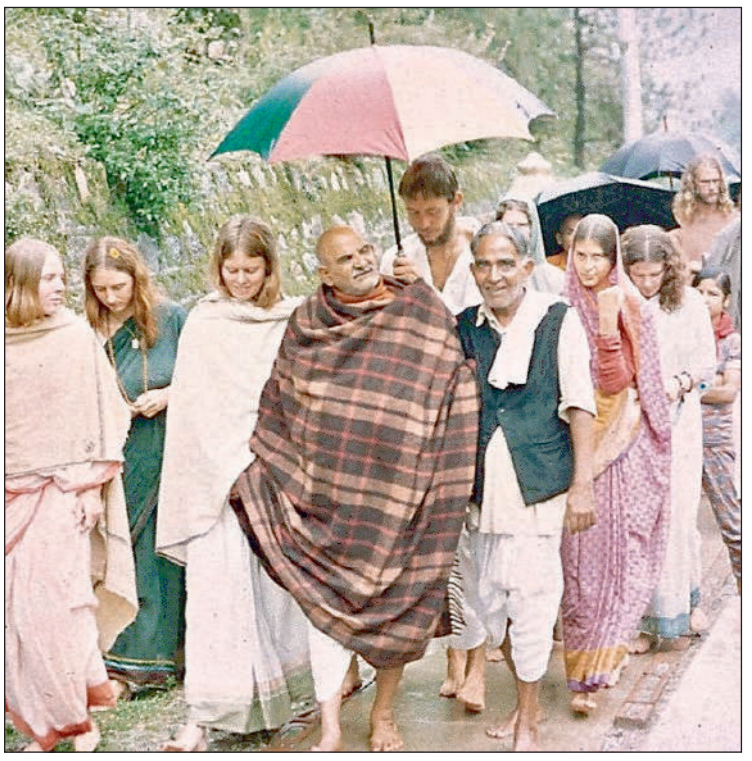

फूंकिए, गाड़ी बढ़वा दीजिए।' जवाब में बाबा ने कहा, 'हमें तो गाड़ी से उतार दिया, हमारे पास टिकट भी था।' लोग टिकट चेकर पर नाराज़ हुए और बाबा को कोच में बैठाया। बाबा ने ट्रेन को थपकी देते हुए कहा, 'चल भई!' इतना कहते ही ट्रेन चल पड़ी। तभी से लक्ष्मण दास बाबा को भक्त नीम करोली बाबा कहने लगे। कुछ लोग उन्हें नीब करौरी बाबा भी कहते हैं। 1935 के आसपास बाबा भ्रमण पर निकले और उन्होंने हिमालय की वादियों में तपस्या की। नैनीताल में उन्होंने हनुमानगढ़, भूमियाधार और कैंची धाम आश्रमों की स्थापना कराई। सोशल मीडिया साइट फेसबुक के सह-संस्थापक मार्क जकरबर्ग फेसबुक के घाटे से परेशान थे। स्टीव जॉब्स ने 2006 में मार्क को नीम करौली बाबा के आश्रम जाने की सलाह दी। मार्क 2008 में भारत आकर कैंची धाम में रहे। इसके बाद उन्होंने कामयाबी की उन सीढ़ियों पर क़दम रखे, जहां पहुंचने के सिर्फ सपने देखे जा सकते हैं।

नीम करौली गांव में बाबा की अनुमति के बिना गुफा में प्रवेश करना मना था। एक दिन बाबा गुफा में तपस्या कर रहे थे, तभी गोपाल नाम का भक्त लोटे में दूध लेकर गुफा में चला गया। बाबा समाधि में लीन थे और उनके शरीर पर सांप लिपटे थे। बाहर आकर गोपाल बेहोश हो गया। नीम करौली बाबा ने गोपाल से कहा, 'तुम्हें बिना अनुमति गुफा में नहीं आना था।' भक्तों का मानना है कि यह बाबा का शिव स्वरूप था। बाबा के ईष्ट हनुमान जी हैं, जो शिव के ग्यारहवें रूद्र अवतार हैं। नीम करौली महाराज पढ़े-लिखे नहीं थे, लेकिन विदेशी भक्तों से उनकी भाषा में बात करते।

वह केसरिया चोला और त्रिपुंड धारण करने वाले परंपरागत संत नहीं थे। बाबा पहले सिर्फ धोती पहनते थे, बाद में एक कंबल भी ओढ़ने लगे। प्रवचन से दूर रहते थे। अपने भक्तों के प्रश्नों का जवाब देते थे। बाबा ने अपने जीवनकाल में किसी को अपने बारे में कुछ भी लिखने नहीं दिया। कई ऐसे ज़िक्र आते हैं, जब बाबा ने अपने व्यक्तित्व और चमत्कारों को समेटते कई काग़ज़ नष्ट करा दिए। वह कहते थे, 'दुनिया में हूं दुनिया का तलबगार नहीं...बाज़ार से गुज़रा हूं पर खरीदार नहीं।' 11 सितंबर 1973 को उन्होंने अपना पार्थिव शरीर त्याग दिया।

बीबीसी की 100 प्रभावशाली महिलाओं की सूची में आया प्रियंका चोपड़ा का भी नाम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

प्रियंका चोपड़ा उन चार भारतीयों में शामिल हैं, जिन्होंने बीबीसी की '100 महिलाओं' की वर्ष की प्रभावशाली शख्सियतों की सूची में जगह बनाई है। वह सूची में एकमात्र भारतीय अभिनेता हैं, जिसमें गायक बिली इलिश, अभिनेता और विकलांगता कार्यकर्ता सेल्मा ब्लेयर और हॉलीवुड आइकन रीटा मोरेनो जैसे नाम शामिल हैं।

सूची में शामिल अन्य तीन भारतीयों में एयरोनॉटिकल इंजीनियर सिरिशा बंदला, बुकर विजेता लेखिका गीतांजलि श्री और सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहा जावले हैं।सूची में, प्रियंका को बॉलीवुड के सबसे बड़े फिल्म सितारों में से एक के रूप में वर्णित किया गया है, उनके नाम पर 60 से अधिक फिल्में हैं। '2002 में उनकी फिल्म की शुरुआत के बाद, हॉलीवुड में पूर्व मिस वर्ल्ड की सफलता तब आई जब उन्होंने 2015 में एक अमेरिकी नेटवर्क ड्रामा सीरीज़ क्वांटिको का नेतृत्व करने वाली पहली दक्षिण एशियाई अभिनेत्री के रूप में इतिहास रचा। उनके हॉलीवुड अभिनय क्रेडिट में इज़ंट इट रोमांटिक और द मैट्रिक्स शामिल हैं।

पुनरुत्थान। उन्होंने भारत में फिल्में बनाते हुए अपनी खुद की प्रोडक्शन कंपनी स्थापित की है।

चोपड़ा यूनिसेफ गुडविल एंबेसडर भी हैं, जो बच्चों के अधिकारों और लड़कियों की शिक्षा के लिए अभियान चला रहे हैं।प्रियंका के हवाले से कहा गया है, मी टू आंदोलन और बाद में सामूहिक महिलाओं के एक साथ आने, एक-दूसरे की रक्षा करने और एक-दूसरे के साथ खड़े होने की आवाजें - एकजुटता में कुछ बहुत शक्तिशाली है।₹प्रियंका ने यूरोपीय आयोग की पहली महिला अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन, बारबाडोस की पहली महिला प्रधान मंत्री मिया मोटले और यूक्रेन की पहली महिला ओलेना ज़ेलेंस्का के साथ भी सम्मान साझा किया, जो सभी सूची में हैं।जेद्दा में रेड सी फिल्म फेस्टिवल में भाग लेने के बाद प्रियंका हाल ही में दुबई में थीं। उसने सप्ताहांत के दौरान एक नौका पर अपने ख़ाली समय से और फिर एक Bvlgari कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति से कई तस्वीरें और वीडियो साझा किए, जिसके लिए वह एक ब्रांड एंबेसडर हैं।प्रियंका ने अभिनेता-गायक निक जोनास से शादी की है और लॉस एंजिल्स में बसी हैं। दंपति ने इस साल जनवरी में सरोगेसी के जरिए अपनी बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनास का स्वागत किया।

गूगल पर सर्च फीचर को और आसान बनाएगा ये फीचर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

गूगल ने घोषणा की है कि वह सर्च से संबंधित विषयों को एक्सप्लोर करना आसान बनाने के लिए सर्च बार के तहत यूजर्स को सजेस्ट कीवर्ड दिखाएगा। कंपनी ने एक ब्लॉग पोस्ट में कहा कि यह फीचर सर्च रिजल्ट पेज के सबसे ऊपर इस संबंधित विषयों की एक इजी-टू-स्क्रॉल लिस्ट दिखाएगा। बता दें कि गूगल रिजल्ट को फिल्टर करने में आपकी मदद करने के लिए Google खोज बार के नीचे इससे जुड़े कीवर्ड जोड़ना शुरू करने जा रहा है।

इस सुविधा को सब्जेक्ट कहा गया है, जो पूरा सर्च कीवर्ड डाले बिना आपकी क्वेरी में क्वालिफायर जोड़ना और रिमूव करना आसान बना देगा। यानी कि उन विषयों को आसानी से जोड़ या हटा सकते हैं, जो किसी खोज पर क्लिक जूम इन या बैकट्रेक करने के लिए प्लस आइकन द्वारा निर्दिष्ट किए गए हैं।कैसे करता हैं काम , मान लीजिए अगर आप dinner Ideas टाइप करते हैं, तो आपको ₹healthy₹ या ₹Easy₹ जैसे विषय दिखाई दे सकते हैं। इसमें से आप किसी विषय का चयन करके उसे अपनी क्वेरी में जोड़कर कम टाइपिंग के साथ अपने

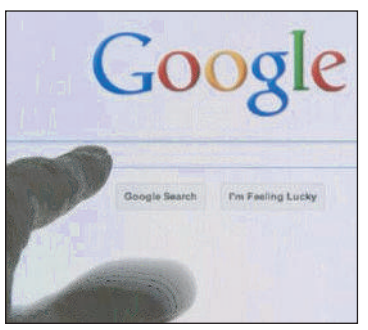

सर्च रिजल्ट को कम कर सकते हैं। जैसे ही आप इसमें से एक को चुनेंगे, विषय बदल जाएंगे और अधिक गतिशील हो जाएंगे, आपको दूसरे विकल्प दिए जाएंगे। जैसे कि अगर आप ₹Healthy₹ चुनते हैं, तो आप ₹vegetarian"या "quick₹ विषय दिखाई देते हैं। Google ने कहा कि विषय और फ़िल्टर दोनों उस क्रम में दिखाए जाते हैं, जो हमारे सिस्टम ऑटोमेटिक निर्धारित करते हैं कि हमारी खास क्वेरी के लिए सबसे उपयोगी है। अगर आप कोई विशेष फ़िल्टर नहीं देखना चाहते हैं, तो 'All filters' विकल्प का उपयोग करके भी खोज सकते हैं। आने वाले दिनों में US में यूजर्स को iOS, Android और मोबाइल वेब पर ये फीचर्स मिलने शुरू हो जाएंगे।

संपादकीय

स्पेस सेक्टर में बड़ा व्यावसायिक अवसर

पिछले महीने निजी क्षेत्र द्वारा निर्मित भारत का पहला अंतरिक्ष यान विक्रम-एस का प्रक्षेपण अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक घटना है. अन्य कुछ स्टार्टअप कंपनियां भी इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए तैयार हैं. ये कंपनियां प्रक्षेपण वाहन यानी रॉकेट से लेकर उपग्रहों तक के निर्माण में संलग्न हैं. उल्लेखनीय है कि 2021 में निजी क्षेत्र को स्पेस सेक्टर में आने की मंजूरी दी गयी थी. इस नीति का उद्देश्य यह है कि स्टार्टअप भी शोध एवं अनुसंधान में योगदान दे सके तथा संबंधित अर्थव्यवस्था को गति मिले. इस नीति के परिणाम अब हमारे सामने आने लगे हैं. आज से चालीस साल पहले हमारी सरकारी अंतरिक्ष संस्था इसरो के लिए ही इस तरह की उपलब्धियां हासिल करना मुश्किल था, पर आज छोटी-छोटी कंपनियां भी प्रक्षेपण और उपग्रह निर्माण करने लगी हैं. हमारे देश की अंतरिक्ष यात्रा में यह एक महत्वपूर्ण चरण है. इसका दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह प्रगति देश के लिए बहुत बड़ा व्यावसायिक अवसर भी है. स्पेस सेक्टर में बहुत तरह के काम और एप्लिकेशन हैं. उम्मीद है कि निजी क्षेत्र नये-नये अन्वेषण से इस क्षेत्र को समृद्ध करेंगे. हम अमेरिका में देख रहे हैं कि स्पेस एक्स और ब्लू ओरिजिन जैसी निजी कंपनियां तेजी से बढ़ोतरी कर रही हैं. ये कंपनियां अलग-अलग एप्लिकेशनों पर काम कर रही है. यह समझना जरूरी है कि निजी कंपनियां केवल इसलिए इस क्षेत्र में नहीं आ रही है कि उन्हें अंतरिक्ष अनुसंधान करना है या इंजीनियरिंग से संबंधित आयामों को विकसित करना है, वे इसलिए भी आ रही हैं कि आगे के लिए स्पेस सेक्टर में बहुत सारे अवसर पैदा होंगे. इसे इसी नजरिये से देखना चाहिए कि निजी उद्यम और निवेशक कई कारोबारी संभावनाओं को देख रहे हैं. यह उत्साहजनक बात है कि हमारे यहां इंजीनियरिंग प्रतिभाओं की कमी नहीं है और उन्हें जब सही मौका मिलेगा, तो वे अच्छा काम कर सकते हैं. विक्रम-एस के सफल प्रक्षेपण से यह साबित भी हुआ है तथा इससे बड़ा प्रोत्साहन भी मिलेगा. इसरो पहले से ही कई देशों के उपग्रहों को अपने रॉकेटों के माध्यम से अंतरिक्ष में भेजता रहा है. बहुत सारे देशों के पास प्रक्षेपण की सुविधा या क्षमता नहीं है. निजी क्षेत्र के आने से इस व्यावसायिक क्षेत्र का भी विस्तार होगा. आज जो स्पेस एप्लिकेशन हैं, चाहे वह संचार से संबंधित हो, सैटेलाइट इमेजरी हो, मौसम से संबंधित सूचनाएं हों, कृषि क्षेत्र में उपयोगिता हो, लॉजिस्टिक के लिए हो, उनका बहुत इस्तेमाल किया जा रहा है. विकासशील देशों में एक समय तक इन उपयोगिताओं का व्यावसायिक महत्व नहीं था, लेकिन आज जैसे-जैसे उन देशों की आमदनी में बढ़ोतरी हो रही है और जरूरतों में वृद्धि हो रही है, बाजार में मांग बढ़ रही है, तो उन्हें इन एप्लिकेशनों की जरूरत भी पड़ रही है. उदाहरण के लिए, बांग्लादेश को देखें. आज से दो दशक पहले उसकी आर्थिक क्षमता ऐसी नहीं थी कि वह ऐसे एप्लिकेशन की मांग करे. पर आज वह ऐसी सुविधाओं को खरीद रहा है. ऐसे देशों में अपने रॉकेट छोड़ने, सैटेलाइट भेजने या एप्लिकेशन विकसित करने की क्षमता नहीं है. ऐसे में वे उन देशों के पास जायेंगे, जहां अच्छे और सस्ते में उनकी जरूरतें पूरी हो सकें. अफ्रीका, एशिया और लातिनी अमेरिका में ऐसे बहुत सारे देश हैं. तो एक तो यह बात है कि स्पेस सेक्टर में आने वाली मांग नयी मांग है, जो पहले मुख्य रूप से विकसित देशों या बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से आती थीं. यह बाजार बहुत विस्तृत हो चुका है और लंबे समय तक यह विस्तार जारी भी रहेगा. दूसरी बात यह है कि जो विकासशील देश हैं, उनके लिए खर्च बहुत बड़ा कारक है. भारत की कंपनियां और सर्विस प्रोवाइडर पश्चिमी देशों की तुलना में बहुत कम दाम में इन देशों को तकनीकी और एप्लिकेशन मुहैया कराने की क्षमता रखते हैं. इस लिहाज से भी स्टार्टअप का स्पेस के क्षेत्र में आना हमारे लिए बड़ा अवसर है. स्पेस नवोन्मेष का क्षेत्र है. स्पेस तकनीक के कई एप्लिकेशन का पता हमें पहले से है, जैसे- मौसम का पूर्वानुमान लगाना, किसानों को जानकारी मुहैया कराना, भूमि और मिट्टी का आकलन, खनन क्षेत्र में, लॉजिस्टिक में इस्तेमाल, संचार आदि. अब यह बात आ रही है कि सैटेलाइट के माध्यम से हम पूरे यातायात नेटवर्क को जोड़ सकते हैं. जीपीएस तकनीक का उपयोग आम बात हो गयी है. अब जो आगे नवोन्मेष होंगे, वे बहुत से एप्लिकेशन लायेंगे, जिनमें कई ऐसे हो सकते हैं, जिनका अभी हमें अनुमान तक नहीं है. यह भी ध्यान में रहे कि हाल तक जो सैटेलाइट से सेवाएं मिलती थीं, उनका इस्तेमाल मुख्य रूप से सरकारी संस्थाओं या बड़े कॉरपोरेट द्वारा होता था. जैसे कि मौसम के पूर्वानुमान से संबंधित सूचनाएं मौसम विभाग लेता था. अब सबके हाथ में स्मार्ट फोन हैं और एप बने हुए हैं.

सिर्फ चीनी ही नहीं, ये फूड्स भी हैं डायबिटीज का खतरा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जब भी बात आती है डायबिटीज की, तो सबसे पहले ख्याल आता मीठे के सेवन का। ज्यादातर लोग चीनी के सेवन को डायबिटीज का दुश्मन मानते हैं, जबकि इसके अलावा भी कई ऐसे फूड्स हैं जिनका सेवन हम लगभग रोज़ करते हैं और ये डायबिटीज की वजह बनते हैं.चीनी के अलावा भी कई फूड्स हैं, जो शरीर का ब्लड शुगर के स्तर को बढ़ाने का काम करते हैं। अगर आप डायबिटीज से पीड़ित हैं, तो आपको चीनी के अलावा इन फूड्स के सेवन पर भी नज़र रखनी चाहिए।

मैदा, सफेद ब्रेड जैसी चीज़ें जो रिफाइंड कार्ब्स से बनी होती हैं, इनके सेवन से बचना चाहिए। इन फूड्स में फाइबर की मात्रा कम होती है और डायबिटीज से पीड़ित लोगों में ब्लड शुगर के स्तर को बढ़ाने का काम करते हैं। इन फूड्स की जगह दूसरी नैचुरल चीज़ों को खाएं, जैसे साबुत अनाज, मौसमी फल और सब्ज़ियां।डायबिटीज में फल खाना फायदेमंद होता है, लेकिन इसकी मात्रा ज्यादा

नहीं होनी चाहिए। खासतौर पर फलों के रस के सेवन से बचना चाहिए। ड्राई फ्रूट्स की तरह फलों के जूस में भी नेचुरल चीनी की मात्रा ज्यादा होती है, जो ब्लड शुगर के स्तर को तेज़ी से बढ़ाने का काम करती है। वैसे तो फलों का रस विटामिन और खनिज पदार्थों से भरा होता है, लेकिन इसमें मौजूद चीनी की मात्रा डायबिटीज के रोगियों को नुकसान पहुंचा सकती है।

तला हुआ खाना कैलोरी से भरा होता है, जिससे ब्लड शुगर का स्तर बिगड़ सकता है। खाने की इन चीज़ों को खाते ही ब्लड शुगर का स्तर बढ़ जाता है, क्योंकि फैट्स को पचने में समय लगता है। सिर्फ फैट्स ही नहीं ये फूड्स ट्रांस फैट्स से भी भरे होते हैं, जो कई बीमारियों को ट्रिगर करने का कारण बनते हैं।ऐसे पैक्ड स्नैक्स जिनमें नमक का स्वाद बिल्कुल नहीं आता, असल में डायबिटीज का सबसे बड़ा कारण बनते हैं। ये रिफाइंड अनाज से बने होते हैं, जो तेज़ी से ब्लड शुगर के स्तर को बढ़ाने का काम करते हैं। इसलिए इन्हें खरीदते वक्त हमेशा पैकेट में कार्ब की मात्रा चेक करें। वैसे कई बार पैकेट्स पर सही मात्रा नहीं बताई जाती।

फलों में पहले ही चीनी की मात्रा काफी ज़्यादा होती है। इनको सुखाने पर इनमें चीनी की मात्रा बढ़ जाती है। जैसे किशमिश में 115 ग्राम कार्ब्स होते हैं, लेकिन उतने ही अंगूर में कम कार्ब्स होते हैं। सभी तरह की शराब में चीनी और कार्ब्स की मात्रा काफी ज्यादा होती है। इसलिए डायबिटिक लोगों को बियर और वाइन के ज़्यादा सेवन न करने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा शराब के सेवन के साथ आप डायबिटीज की जरूरी दवाइयां नहीं खा सकते।

दिल्ली एमसीडी चुनाव की जीत पर जमकर नाचे उत्तराखंडी आप कार्यकर्ता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 8 दिसंबर , आम आदमी पार्टी के प्रदेश कार्यालय में ढोल नगाड़ों की गूंज सुनाई दी क्योंकि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 15 साल से काबिज बीजेपी को हराकर जीत दर्ज करते हुए दिल्ली एमसीडी से भाजपा का सफाया किया ।आज सुबह से ही प्रदेश कार्यालय में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता एकत्रित होना शुरू हुए और जैसे-जैसे रुझान आम आदमी पार्टी के पक्ष में आता है या वैसे वैसे लोगों का तांता लगता गया। प्रदेश संगठन समन्वयक जोत सिंह बिष्ट के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने ढोल नगाड़ों की थाप पर जमकर डांस किया एवं आतिशबाजी कर खुशी जाहिर की इस मौके पर जोत सिंह बिष्ट ने कहा कि दिल्ली एमसीडी के चुनाव में दिल्ली की जनता ने भारतीय जनता पार्टी को सबक सिखाते हुए यह संदेश देने का काम किया है कि दिल्ली में अरविंद केजरीवाल जी के जो काम है उसके आगे झूठ फरेब, जात-पात नहीं चलेगा । इस मौके पर पार्टी के उपाध्यक्ष डॉक्टर आरपी रतूड़ी ने सभी

कार्यकर्ताओं को बधाई दी एवं उत्तराखंड में आगामी नगर निगम चुनाव कार्यकर्ताओं को जुटने का आह्वान किया । इस मौके पर गढ़वाल मीडिया प्रभारी एवं प्रदेश प्रवक्ता रविंद्र सिंह आनंद ने कहा कि दिल्ली के नगर निगम चुनाव से आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं में एक नया जोश आया है एवं कार्यकर्ताओं में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ है जिसका लाभ आगामी चुनाव में देखने को मिलेगा उन्होंने दिल्ली की जनता को धन्यवाद भी दिया । कार्यक्रम में आर पी रतूड़ी, उमा सिसोदिया, नितिन जोशी, रजिया बेग, रविंद्र सिंह आनंद ,विपिन खन्ना कमलेश रमन सीपी सिंह, सुधा पटवाल, दर्शन डोभाल , ,अशोक सेमवाल, रेहाना परवीन, सागर हुंडा, संध्या चौटाला, नीना वर्मा, पंकज अरोड़ा, मौजूद रहे ।

ऑल-न्यू बजाज पल्सर P150 को 1.17 लाख रुपये में लॉन्च किया गया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बजाज ऑटो ने नई पल्सर पी150 के लॉन्च की घोषणा की है। बाइक दो वेरिएंट्स में उपलब्ध है: सिंगल-डिस्क और ट्विन-डिस्क, जिनकी कीमत 1,16,755 रुपये और 1,19,757 रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) है ।नई पल्सर P150 अगली पीढ़ी के पल्सर प्लेटफॉर्म पर आधारित है जिसे अक्टूबर 2021 में पेश किया गया था। बाइक में अब तेज, स्पोर्टियर डिजाइन और अंडरबेली एग्जॉस्ट दिया गया है। सिंगल-डिस्क वैरिएंट एक अपराइट राइडिंग पोजिशन प्रदान करता है, जबकि ट्विन-डिस्क वैरिएंट में स्पोर्टियर स्टांस है और यह स्प्लिट सीट के साथ आता है ।पल्सर P150 एक नए 149.68cc, सिंगल-सिलेंडर इंजन द्वारा संचालित है जो 14.3 BHP @ 8,500 rpm और 13.5 Nm @ 6,000 rpm पैदा करता है। इंजन को 5-स्पीड गियरबॉक्स से जोड़ा गया है ।बजाज का

दावा है कि प्रयोग करने योग्य RPM रेंज में 90% टॉर्क उपलब्ध है। बाइक का वजन अपने पूर्ववर्ती की तुलना में 10 किलोग्राम कम है, जिसे पावर-टू-वेट अनुपात में 11% की वृद्धि के लिए कहा जाता है ।P150 आगे की ओर एक पारंपरिक टेलिस्कोपिक फोर्क सस्पेंशन और पीछे एक मोनो-शॉक के साथ आता है। ब्रेकिंग क्रमशः आगे और पीछे 260 मिमी और 230 मिमी डिस्क द्वारा नियंत्रित की जाती है, जबकि निचले संस्करण में पीछे की तरफ 130 मिमी ड्रम मिलता है।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा

सचिव दीपक कुमार गैरोला सीएम विज़न को लेकर सक्रिय

रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन के साथ की बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग 07 दिसंबर। सचिव कार्यक्रम क्रियान्वयन उत्तराखंड शासन दीपक कुमार गैरोला ने जिला कार्यालय सभागार में विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित योजनाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा जो भी जन कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं उनका लाभ आम जन तक पहुंचाने के लिए सभी अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें गांव के विकास से ही जनपद का विकास संभव है।

बैठक की समीक्षा करते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मुख्यमंत्री की प्राथमिकता है कि प्रदेश में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने, उद्यानीकरण के क्षेत्र में किसानों को आत्मनिर्भर बनाने, ऊर्जा हाइड्रो पावर/सोलर पावर को विकसित करने की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं जिससे कि योजनाओं को सफल क्रियान्वयन की दिशा में सभी को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने की जरूरत है उन्होंने यह भी कहा कि जनपद के हिमालय क्षेत्रों में बर्फ के पानी को किस तरह से संरक्षित करें इसके लिए वाटर टैंक बनाए जाने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार करने पर बल दिया जिससे कि पानी की समस्या को दूर किया जा सके इसके लिए उन्होंने विशेष कार्यशाला आयोजित करने को कहा गया तथा पानी के संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिए जागरुक अभियान चलाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा संचालित योजनाओं को आम जन तक किस तरह से पहुंचाया जाए इसके लिए आयोजित बहुउद्देश्यीय शिविरों एवं तहसील दिवसों के माध्यम से जनता को योजनाओं की पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई जाए जिससे कि आम जनता को योजनाओं का लाभ उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि उद्यानीकरण के क्षेत्र में किसानों की आर्थिकी को मजबूत किया जा सकता है इसके लिए उन्होंने जड़ी-बूटी पर भी विशेष जोर दिया जिसके लिए उन्होंने उद्यानीकरण के क्षेत्र में किसानों को और अधिक लाभ पहुंचाने के लिए विशेष प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए जनपद के पर्यटन स्थलों को विकसित करने के लिए पर्यटन विभाग, वन विभाग, राजस्व विभाग को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की जाए।

उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत योजना के तहत सभी दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध कराई जानी है तथा जिन क्षेत्रों में टूजी एवं थ्रीजी इंटरनेट की व्यवस्था है उन सभी क्षेत्रों में फोर जी इंटरनेट उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में टावर लगाए जाने हेतु जमीन उपलब्ध कराई जानी है उसके लिए यथाशीघ्र जमीन की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए तथा उन स्थानों में भी विद्युत कनेक्शन की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए ताकि इंटरनेट व्यवस्था संचालन में किसी तरह की समस्या न होने पाए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारियों को सरकार की प्राथमिकता के अनुसार कार्य करने की आवश्यकता है जिसमें सबका साथ सबका विकास एवं भयमुक्त समाज साइबर अपराध को रोकने इस दिशा में सभी को प्राथमिकता से कार्य करने की आवश्यकता है।

सीएम हेल्पलाईन पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सीएम हेल्पलाईन पर जो भी शिकायतें प्राप्त होती हैं उन शिकायतों का संबंधित विभागों द्वारा यथोचित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए एवं जो शिकायतें एल फोर शासन स्तर पर प्रेषित हो गई हैं ऐसी शिकायतों पर स्पष्ट आख्या तैयार करते हुए शासन को प्रेषित की जाए ताकि शासन स्तर पर उस समस्या का निराकरण कराया जा सके इसके लिए सभी अधिकारी संवेदनशीलता के साथ कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

बैठक में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, मुख्य विकास अधिकारी नरेश कुमार, अपर जिलाधिकारी दीपेंद्र सिंह नेगी, जिला विकास अधिकारी मनविंदर कौर, उप जिलाधिकारी अपर्णा ढौंडियाल, परियोजना निदेशक डीआरडीए रमेश चंद्र, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी संदीप भट्ट, अपर जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी सत्येन्द्र कुमार सैनी, जिला उद्यान अधिकारी योगेंद्र सिंह चैधरी, अधि. अभि. जल संस्थान संजय सिंह, जल निगम नवल कुमार, समाज कल्याण अधिकारी सुनीता अरोड़ा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

क्या सर्दी में दही खाने से सेहत को होता है नुकसान, जानें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

दही एक हेल्दी प्रोबायोटिक होता है, जिसमें प्रोटीन, विटामिन और खनिज पदार्थों की मात्रा उच्च होती है और कार्ब्स की कम। दही को रायते, फ्लेवर्ड दही या फिर छाछ के तौर पर खाने के साथ शामिल करने से आप मील को इंजॉय तो करेंगे ही साथ ही आपके पाचन को भी बढ़ावा मिलेगा।

दही चाहे कितना भी पौष्टिक हो, इसे लेकर कई तरह के मिथक सुनने में आते हैं। जैसे कई ऐसे लोग हैं, जो ठंड में दही नहीं खाते, क्योंकि इसकी तासीर ठंडी होती है, खासतौर पर रात में। लेकिन क्या सच में सर्दी के मौसम में दही खाना नुकसान पहुंचा सकता है. न्यूट्रीशनिस्ट्स की मानें तो दही पोषक तत्वों से भरा होता है, जो शरीर को इन्फेक्शन से लड़ने के लिए गुड बैक्टीरिया देता है। साथ ही इसमें कैल्शियम, प्रोटीन, मैग्नीशियम, पोटेशियम, विटामिन-बी2 और बी12 की भी अच्छी मात्रा होती है, जो शरीर को हर मौसम में हेल्दी रखने का काम करते हैं।

दही खाने के साथ या फिर मीठे के तौर पर खाने के लिए बेस्ट फूड है, फिर मौसम ठंड का ही क्यों न हो। दही में प्रोबायोटिक और विटामिन्स होते हैं, जो इम्यून सिस्टम में सुधार करते हैं। लेकिन, फ्रिज से फौरन निकालकर दही न खाएं, खाने से पहले इसे कुछ घंटों के लिए बाहर रहने दें। इम्यूनिटी को ताकत देने के लिए दही एक बेहतरीन फूड है। इसमें एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं और यह वाइट ब्लड सेल्स संश्लेषण को भी बढ़ावा देता है। इसलिए, बच्चों को दही ज़रूर खिलाना चाहिए। बस ध्यान रखें कि वह फ्रिज से निकला न हो। आप दही को टेस्टी और हेल्दी बनाने के लिए उसमें फल और सब्जियों को भी शामिल कर सकती हैं।

रात के खाने के साथ दही खाना अच्छा होता है। इससे आपके पेट को भी आराम मिलता है। इसके सेवन से दिमाग में ट्रिप्टोफेन नाम का अनोखा अमीनो एसिड रिलीज़ होता है, जो मस्तिष्क को शांत कर सोचने में मदद करता है। यह सच नहीं है। स्तनपान के जरिए बच्चे तक सिर्फ पोषक तत्व ही पहुंचते हैं, सर्दी या किसी तरह का इन्फेक्शन नहीं क्योंकि ब्रेस्ट मिल्क इम्युनोग्लोबुलिन से भरपूर होता है। दही में मौजूद एक्टिव बैक्टीरिया बीमारी का कारण बनने वाले कीटाणुओं से लड़ने हैं और पाचन में सुधार करते हैं। स्तनपान कराने वाली महिलाएं कैल्शियम और प्रोटीन की कमी को पूरा करने के लिए डाइट में दही या रायता ले सकती हैं।

दिसंबर शुरू होने के साथ पहाड़ों पर कड़ाके की ठंड शुरू

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। दिसंबर शुरू होने के साथ ही रात में तापमान गोता लगाने लगा है। खासकर, राज्य के पर्वतीय हिस्सों में हाड़ कंपाने वाली ठंड शुरू हो गई है। आने वाले दिनों में इसमें और इजाफा होगा। अगले कुछ दिनों में मैदानी क्षेत्रों में कोहरा तो पहाड़ में पाला गिरने से मौसम विभाग ने न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट की संभावना जताई है। मौसम शुष्क रहने से दिन में गुनगुनी धूप सहारा देती रहेगी। लेकिन, दिन में खिल रही धूप व रात में पारा एका एक गिरने से अधिकतम व न्यूनतम तापमान में बड़ा अंतर आ रहा है.इन हालात में चिकित्सकों ने हर किसी को ठंड से बचने की सलाह दी है। खासकर, बच्चों और बुजुर्गों को बीमार होने से बचाने के लिए विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है। प्रदेश में सबसे कम तापमान चमोली जिले के रानीचौरी में 0.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। खटीमा में पारा सबसे अधिक 26.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा। आगामी दिनों

में रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़, उत्तरकाशी, पौड़ी और टिहरी के ऊंचाई वाले स्थानों में भी न्यूनतम तापमान एक से दो डिग्री तक पहुंचने की संभावना है।

मौसम शुष्क रहने से इन दिनों प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में 12 से 13 डिग्री सेल्सियस का अंतर दर्ज किया जा रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने अनुसार, अगले चार दिन भी प्रदेश में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। इस दौरान पहाड़ों में पाला और मैदानी क्षेत्रों में अधिकांश स्थानों पर कोहरा पड़ने की संभावना है। इससे न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस कमी आने की संभावना है।